



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 239]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 17, 2015/चैत्र 27, 1937

No. 239]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 17, 2015/CHAITRA 27, 1937

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 2015

**सा.का.नि. 296(अ).**—चूंकि वायुयान (खतरनाक माल वहन) नियम, 2003 का प्रारूप वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 की अपेक्षानुसार भारत सरकार, नागर विमानन मंत्रालय की तारीख 4 फरवरी, 2015 की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 76 (अ) के द्वारा प्रकाशित किए गए, जिसे ऐसे व्यक्तियों जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, से इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिन की अवधि की समाप्ति से पूर्व आक्षेप और सुझाव आमंत्रित करते हुए भारत के राजपत्र की प्रतियां सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई गई;

और चूंकि उक्त अधिसूचना की प्रतियां 6 फरवरी, 2015 को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध करा दी गई थी;

और चूंकि उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर प्रारूप नियमों के संबंध में किसी व्यक्ति से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः अब केंद्रीय सरकार, उक्त वायुयान अधिनियम की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वायुयान (खतरनाक माल वहन) नियम, 2003 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (खतरनाक माल वहन) संशोधन नियम, 2015 है।  
(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. वायुयान (खतरनाक माल वहन) नियम, 2003 में, —  
(क) नियम, 2 में, —  
(i) खंड (6) में “या संपत्ति का काफी नुकसान” शब्दों के स्थान पर “या संपत्ति या पर्यावरण का काफी नुकसान” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाए;  
(ii) खंड (7) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात्:—  
“7 “खतरनाक माल घटना” से अभिप्रेत है,—

- (i) ऐसी कोई घटना जो खतरनाक माल दुर्घटना से भिन्न, वायुयान द्वारा खतरनाक माल के परिवहन से सहयुक्त और उससे संबंधित है किंतु जिसको किसी वायुयान के फलक पर घटित होना आवश्यक नहीं है और जिसके परिणामस्वरूप किसी व्यक्ति, संपत्ति या पर्यावरण को क्षति पहुँची हो या आग लगी हो, टूट-फूट हुई हो, कुछ बिखरा हो, द्रव्य रिसाव या ऐसा कोई विकिरण या त्रुटिपूर्ण पैकेजिंग से उत्पन्न कोई घटना हो ; और
- (ii) खतरनाक माल के परिवहन के कारण कोई घटना जो किसी विमान या उसमें सवार व्यक्तियों को गंभीर जोखिम में डालती हो;
- (iii) खंड (8) के पश्चात, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:—  
 '8 क) "छूट" से अभिप्रेत जारी किया गया वह प्राधिकार है जो अनुबंधों और तकनीकी अनुदेशों में निहित उपबंधों से राहत प्रदान करने वाले किसी समुचित राष्ट्रीय प्राधिकरण द्वारा प्रदान किए गए अनुमोदन से भिन्न हो;'
- (iv) खंड (18) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात्:—  
 '(18) "तकनीकी अनुदेशों" से अभिप्रेत वह अनुदेश है जो अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन परिषद द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार खतरनाक माल के सुरक्षित परिवहन विमान वहन के लिए अनुमोदित किए गए हैं और आवधिक रूप से जारी किए गए हैं;'
- (ख) नियम, 9 के पश्चात, निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:—  
 "9क गलत घोषित या अघोषित खतरनाक माल—(1) यदि प्रचालक या उसकी ओर से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कार्य करने वाले अन्य व्यक्ति को सामान, कार्गो या डाक को स्वीकार करने या उसकी हैंडलिंग के लिए गलत घोषित या अघोषित माल की सूचना मिलती है तो वह उसकी रिपोर्ट महानिदेशक को करेगा ।  
 (2) उप-नियम (1) के तहत रिपोर्ट में, ऐसी अन्य संगत सूचना के अतिरिक्त, निम्नलिखित सूचना भी निहित होगी, अर्थात्:—  
 (i) रिपोर्ट करने वाले व्यक्ति या प्रचालक का नाम और पता;  
 (ii) माल भेजने वाले का नाम और पता;  
 (iii) गलत घोषित या अघोषित खतरनाक माल का पता लगने की तारीख और स्थान;  
 (iv) समुचित माल भेजने वाले का नाम और ऐसे खतरनाक माल की मात्रा सहित खतरनाक माल का वर्ग या श्रेणी;  
 (3) रिपोर्ट प्राप्त होने पर महानिदेशक यदि आवश्यक समझे, गलत घोषित या अघोषित खतरनाक माल के हेतुकों का अवधारण करने के लिए अन्वेषण आदेश दे सकेंगे, और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए निवारक उपाय कर सकेंगे।"

[फा. सं. ए वी.11012/3/2012.ए]

अरुण कुमार, संयुक्त सचिव

टिप्पण: मूल नियम भारत के राजपत्र में तारीख 05 मार्च, 2003 की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 206(अ) द्वारा प्रकाशित किए गए और अंतिम संशोधन तारीख 21 जून, 2012 की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 487 (अ) द्वारा किया गया।

## MINISTRY OF CIVIL AVIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 16th April, 2015

**G.S.R. 296(E).**—Whereas the draft of the Aircraft (Carriage of Dangerous Goods) Rules, 2003, was published, as required by Section 14 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Civil Aviation, number G.S.R. 76(E), dated the 4th February, 2015, for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of the period of thirty days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published, were made available to public;

And whereas copies of the said notification were made available to the public on the 6th February, 2015;

And whereas no objections or suggestions have been received from any person in respect of the draft rules within the period specified in the said notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 5 of the said Aircraft Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft (Carriage of Dangerous Goods) Rules, 2003, namely:—

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Carriage of Dangerous Goods) Amendment Rules, 2015.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Aircraft (Carriage of Dangerous Goods) Rules, 2003,—
  - (a) in rule 2,—
    - (i) in clause (6), for the words “or major property damage”, the words, “or damage to major property or environment” shall be substituted;
    - (ii) for clause (7), the following clause shall be, substituted, namely:—
 

‘(7) “dangerous goods incident” means,—

      - (i) an occurrence, other than a dangerous goods accident, associated with and related to the transport of dangerous goods by air, not necessarily occurring on board an aircraft, which results in injury to a person, property or environment, or fire, breakage, spillage, leakage of fluid or radiation or any incident occurred due to defect in packaging; and
      - (ii) an incident occurred due to the transport of dangerous goods which seriously jeopardises the aircraft or its occupants;’ ;
      - (iii) after clause (8), the following clause shall be inserted, namely :-
 

‘(8A) “exemption” means an authorisation issued, other than an approval granted by an appropriate national authority providing relief from the provisions contained in the Annexes and the Technical Instructions;’;
      - (iv) for clause (18), the following clause shall be substituted, namely :-
 

‘(18) “Technical Instructions” means the instructions for the safe transport of dangerous goods by air, approved and issued periodically in accordance with the procedure established by the International Civil Aviation Organisation Council;’ ;
  - (b) after rule 9, the following rule shall be inserted, namely:—
 

“9A. Mis-declared or undeclared dangerous goods.—(1) The Operator or any other person directly or indirectly acting on his behalf for the acceptance or handling of baggage, cargo or mail, if notices or finds any mis-declared or undeclared goods, shall submit a report to the Director-General.

(2) The report under sub-rule (1), in addition to such other relevant information, shall also contain the following information, namely:—

    - (i) the name and address of person or operator reporting;
    - (ii) the name and address of the shipper;
    - (iii) date and location of detection of mis-declared or undeclared dangerous goods;
    - (iv) class or division of dangerous goods with the proper shipping name and quantity of such dangerous goods;

(3) On receipt of the report the Director-General shall, if considered necessary, order an investigation to determine the causes of mis-declared or un-declared dangerous goods and take preventive measures to avoid re-occurrence of such occurrences.”.

[F. No. AV.11012/3/2012-A]

ARUN KUMAR, Jt. Secy.

**Note:** The principal rules were published in the Gazette of India, vide notification number G.S.R. 206(E), dated 5th March, 2003 and last amended vide Notification number G.S.R. 487(E), dated the 21st June, 2012.